वर्ष : 20 अङ्क : 2
फरवरी 1981

सम्पादक :
डॉ. प्रेमचन्द विजयवर्गीय

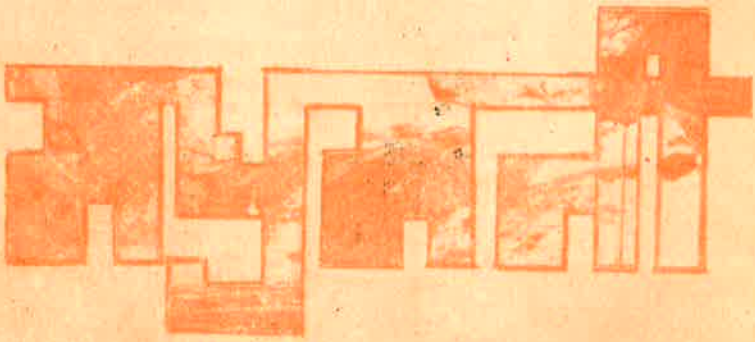

SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 20: no 2, February 1981
TOC Supplied By: University of Chicago

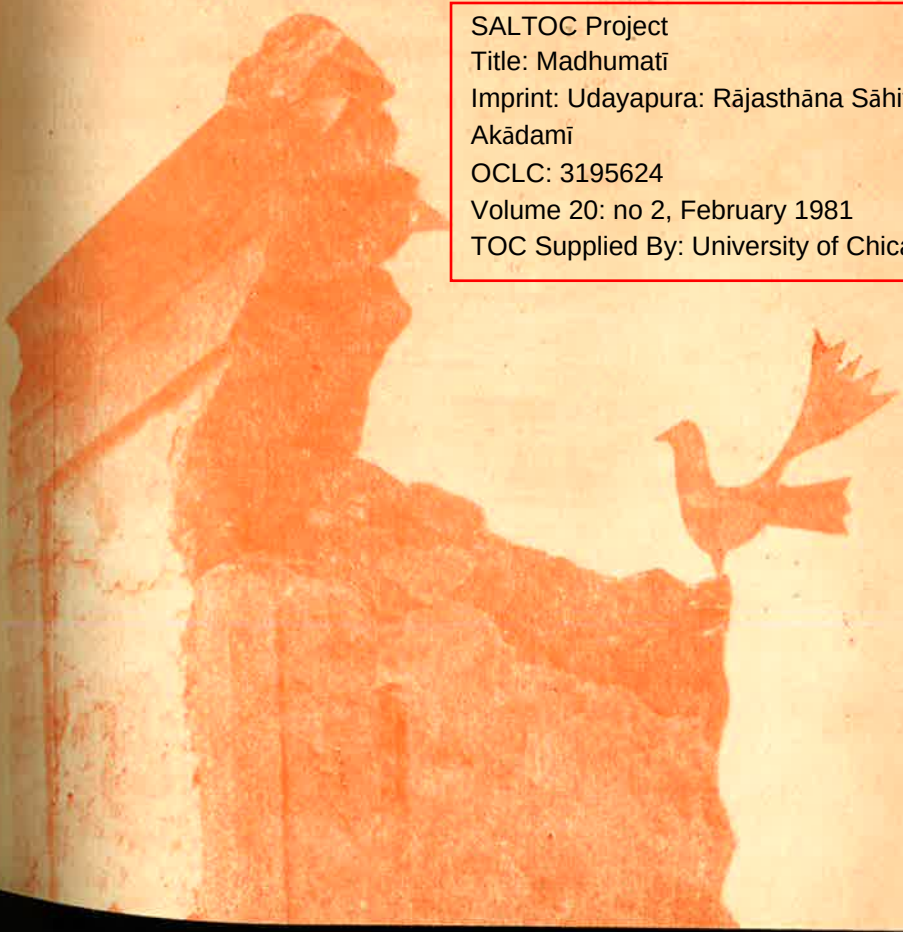

मधुमती

वर्ष २० : अंक २
फरवरी, १९८१ ई०

सम्पादक : डॉ. प्रेमचन्द विजयवर्गीय
प्रबन्ध सम्पादक : डॉ. राजेन्द्र शर्मा

FEB. 81
Vol. 20 No. 2

अनुक्रम

		पृष्ठ संख्या
सम्पादकीय		१
कविता–		
अलगनी पर सूखता आकाश	क्षमाचरण सहमिया	५
अन्तिम प्रश्न	डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'	९
जब कभी	मदन केवलिया	११
समुद्र	डॉ. कृष्ण बिहारी सहल	१३
कुहरा	तारादत्त 'निर्विरोध'	१५
पेट के कीड़े	इन्द्रकुमार शर्मा	१६
आस्था	रघुनन्दन त्रिवेदी	१८
चित्तौड़गढ़	प्रो. महेन्द्र रायजादा	२०
समूचा शहर	सुरेन्द्र चतुर्वेदी	२३
मरूथल-मृग	राम जैसवाल	२५
अलबत्ता	सवाईसिंह शेखावत	२७
अभिशप्त-दर्शक	हरीदास व्यास	२९
पीढ़ियों का बौनापन	पुरुषोत्तम छंगाणी	३१
रेत मेरे पोत खोल दे	कृष्णगोपाल शर्मा	३२
जंगल का नियम	अब्दुल मलिक खान	३५
अनाथ एकान्त	नर्मदाप्रसाद गुप्त	३७
चौराहे पर चिपका सूरज	राजश्री रंजीता	३९

रात गहराती है	श्रीमती सरल जैन	४०
भविष्य और आदिम	हरिशरणलाल	४२
सूर्यास्त	कैलाश पचौरी	४४
दूरियां शाश्वत है ?	रेणु भटनागर	४६
प्रकृति-स्वर	डॉ. प्रकाश मनु	४८
बेचारी नाक	डॉ. लालचन्द जैन	४९
इसके पहले कि	कु. मीनाक्षी श्रीवास्तव	५२
ग़ज़ल–		
गजल	पूरन सरमा	५३
धूप	विश्व मोहन माथुर	५४
गजल	प्रदीप कुमार	५५
,,	संजीवन मयंक	५६
,,	श्याम बेबस	५७
,,	शिव डोयले	५८
,,	डॉ. रमेशचन्द्र 'सुमन'	५९
बातें रोशनी की किये जाते हैं लोग	डॉ. अमरसिंह	६०
गजल	मुकुट सक्सेना	६१
,,	सुरेश कुमार	६२
,,	मदन गोपाल शर्मा	६३
,,	रमेश शर्मा	६४
,,	सत्यनारायण बीजावत	६५
,,	कैलाश मनहर	६६
सिर्फ ढूंढे हैं दोष गैरों के	डॉ, योगेन्द्रनाथ शर्मा 'अरुण'	६७
गजल	डॉ. रवीन्द्रनाथ दरगन	६८
,,	डॉ, एन सिंह	६९
,,	बृजेन्द्रकुमार चतुर्वेदी	७०
,,	गयाप्रसाद साहू	७१
,,	नारायण 'शील'	७२
अलादीन के चराग	देवकृष्ण शर्मा	७३
गजल	कुंवर अंजुलता सिंह	७४
गीत–		
गीत	कुन्दनसिंह सजल	७५
रोशनी तो रोशनी है	भगवतीप्रसाद गौतम	७६
गीत	डॉ. जगदीश बाजपेयी	७७

गीत	हरिशंकर सक्सेना	७८
यह कैसा मधुमास	गोविन्द 'अनुज'	७९
आज वे संदर्भ झूठे	राजेन्द्र गौतम	८०
दिन श्रावण निर्माण	आजाद रामपुरी	८१
गीत	डॉ० रमाकान्त शर्मा	८२
"	राजेन्द्र सोनी	८३
प्रेमचन्द की याद में	विजेन्द्र अनिल	८५
'महाप्राण निराला के प्रति'	देव राम 'सुमन'	८६
नवगीत–		
वक्तव्य गीत/जाल	डॉ० अश्वघोष	८८
नदी बंट रही	नारायणलाल परमार	९०
जबकि ठहरे थे असल में	कृष्णबक्षी	९१
खूब हुई बदहाल	शिवयोगी	९२
प्रासंगिक होने के लिए	राम सेंगर	९३
ओ रे महुआ	अर्जुन 'अरविंद'	९४
कस्तूरी सलाम	रमेश राज	९६
मनिहारिन	ऋ. दे. शर्मा 'देवराज'	९७
कौन है जो	दानिशजमाल सिद्दीकी	९९
क्षणिकाएं/मुक्तक–		
चार मुक्तक	अखिलेश कुलश्रेष्ठ	१००
तीन ऋतु बिम्ब	सूर्यभानु गुप्त	१०१
तीन क्षणिकाएं	चन्द्रबाबू अग्निहोत्री	१०२
ब्रजवाणी–		
मीरा/शबरी	बनवारीलाल सोनी	१०४
बरखा-आगमन	गजेन्द्रसिंह सोलंकी	१०५
बरखा-बहार	गोपेश शरण 'आतुर'	१०६
समीक्षा–		
बदलते भाव : उभरते स्वर	समीक्षक : डॉ. इन्द्रकुमार शर्मा	१०७
संदर्भों से कटे हुए	समीक्षक : डॉ वेंकट शर्मा	१०८
सांस्थानिक गतिबिधियां		१११

एक प्रति का मूल्य : 1–50

वार्षिक मूल्य : 15–00